

कृषि विज्ञान केंद्र बरेली द्वारा विश्व दुग्ध दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली, उ०प्र० द्वारा दिनांक 01 जून, 2021 को विश्व दुग्ध दिवस के मनाया गया। इस अवसर पर एक ऑन-लाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा डॉ० हरेन्द्र कुमार ने की। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में उन्होंने बताया कि भारतीय समाज प्राचीन समय से ही मानव आहार में दूध कि महत्ता से परिचित है। देश में राष्ट्रीय दुग्ध दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष 26 नवम्बर को किया जाता है। बरेली जनपद को एक जनपद-एक उत्पाद योजना के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादों के क्षेत्र में कार्य करने के लिए चयनित भी किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि दूध का उत्पादन बढ़ाने तथा दुग्ध व्यवसाय को लाभकारी बनाने के लिए आवश्यक है कि इस कार्य को वैज्ञानिक ढंग से किया जाये, जिसके लिये क्षेत्र के अनुसार उत्तम प्रजाति के पशुओं का चयन, संतुलित पशु आहार प्रबन्धन, आंतरिक व बाह्य परजीवियों का प्रबन्धन, वैज्ञानिक प्रजनन प्रबन्धन, नियमित टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान व नियमित गर्भजाँच तथा किसी भी प्रकार के रोग के लक्षण दिखने पर तुरन्त पशु चिकित्सक की सलाह लेकर उपचार करें। उन्होंने ग्रामीण स्तर पर संतुलित पशु आहार बनाने के लिये एक तिहाई गेहूँ, एक तिहाई खली और एक तिहाई से थोड़ा कम धान की पॉलिश/दाल की चूनी इत्यादि लगभग 5 किलो खड़िया और 1 किलो नमक का एक मिश्रण जिसका कुल वजन 100 किलो हो तैयार करने की विधि बतायी। साथ ही पशुओं को भरपूर मात्रा में हरा चारा देकर दाने की लागत को कम किया जा सकता है।

विश्व दुग्ध दिवस

01 जून, 2021

कृषि विज्ञान केन्द्र

भाकृअनुप- भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर-243 122



इससे पूर्व कार्यक्रम के आरम्भ में कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डॉ० ब्रजपाल सिंह ने सभी उपस्थित कृषकों तथा वैज्ञानिकों का स्वागत करते हुये अवगत कराया कि दूध एक सम्पूर्ण आहार है और आज का दिन विशेष रूप से मानव आहार में दूध की महत्ता पर चर्चा करने का दिन है वर्तमान समय में जब सम्पूर्ण विश्व कोरोना कोविड-19 की महामारी से जूझ रहा है इस विषम परिस्थिति में स्वास्थ्य का ध्यान रखना तथा आहार को संतुलित रखने दुग्ध सेवन अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के अन्त में प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र ने वैज्ञानिक ढंग से पशुपालन कर लागत कम करते हुये दुग्ध उत्पादन को बढ़ाकर व्यवसाय को लाभकारी बनाने के सम्बन्ध में व्याख्यान देने के लिये संयुक्त निदेशक प्रसार तथा कार्यक्रम में भागीदारी करने वाले सभी वैज्ञानिकों तथा कृषकों को धन्यवाद ज्ञापित किया । कार्यक्रम में कुल 29 कृषकों तथा वैज्ञानिकों ने भागीदारी की।

